# विषयानुक्रमणिका


| अध्याय | शीर्षक | पृ०सं० |
|---|---|---|
| | **आमुख** | **i-v** |
| **प्रथम अध्याय-** | **धर्मसूत्र एवं स्मृतियाँ-सामान्य परिचय** | **1-22** |
| | 1.1 धर्मसूत्र एवं स्मृतियों का उद्भव एवं विकास | |
| | 1.2 स्मृतियों की संख्या, उनका प्रतिपाद्य तथा रचनाकाल | |
| | 1.3 विष्णुस्मृति का प्रतिपाद्य एवं काल निर्धारण | |
| | 1.4 विष्णुस्मृति के अनुसार धर्म शब्द का अर्थ, स्वरूप एवम् अवधारणा | |
| **द्वितीय अध्याय-** | **वर्णाश्रम-धर्म-निरूपण** | **23-53** |
| | 2.1 वर्णाश्रमधर्म का सामान्य परिचय | |
| | 2.2 ब्राह्मणवर्णधर्म एवं उनके कर्त्तव्य | |
| | 2.3 क्षत्रियवर्णधर्म एवं उनके कर्त्तव्य | |
| | 2.4 वैश्यवर्णधर्म एवं उनके कर्त्तव्य | |
| | 2.5 शूद्रवर्णधर्म एवं उनके कर्त्तव्य | |
| | 2.6 ब्रह्मचर्य आश्रम | |
| | 2.7 गृहस्थाश्रम | |
| | 2.8 वानप्रस्थाश्रम | |
| | 2.9 संन्यासाश्रम | |
| **तृतीय अध्याय-** | **संस्कार-निरूपण** | **54-84** |
| | 3.1 संस्कार शब्द की व्याख्या, उपयोगिता एवं महत्त्व | |
| | 3.2 संस्कारों का उद्देश्य | |
| | 3.3 संस्कारों का विभाजन | |
| | 3.4 अन्य स्मृतियों एवं विष्णुस्मृति में प्रतिपादित संस्कार | |

**चतुर्थ अध्याय- आह्निक-कर्मव्यवस्था-निरूपण** **85-111**

4.1 आह्निक शब्द की व्याख्या
4.2 शौचाचार नियम
4.3 दन्तधावन
4.4 आचमन
4.5 धनार्जन
4.6 स्नान एवं तर्पण
4.7 विष्णुपूजन
4.8 पंचमहायज्ञ
4.9 भोजन
4.10 स्त्रीसंग
4.11 शयन
4.12 अन्य आचार संहिताएँ

**पंचम अध्याय- पातक एवं प्रायश्चित्त-निरूपण** **112-146**

5.1 पातक एवं प्रायश्चित्त शब्द का विवेचन
5.2 अतिपातक एवं उनके प्रायश्चित्त
5.3 महापातक एवं उनके प्रायश्चित्त
5.4 अनुपातक एवं उनके प्रायश्चित्त
5.5 उपपातक एवं उनके प्रायश्चित्त
5.6 जातिभ्रंशकर, संकरीकरण, अपात्रीकरण तथा मलावह पातक एवं उनके प्रायश्चित्त
5.7 प्रकीर्णक पातक एवं उनके प्रायश्चित्त
5.8 अकृत प्रायश्चित्तार्थ नरक व्यवस्था, पपियों का पापवश विविध योनियों में जन्म तथा उनमें होने वाले पापजन्य रोगों का वर्णन
5.9 प्रायश्चित्त प्रक्रिया

**षष्ठ अध्याय- राजधर्म-निरूपण** **147-178**

6.1 राजा एवं राजतन्त्र
6.2 राज्य-व्यवस्था हेतु अधिकारियों की नियुक्ति
6.3 राजधर्म की सात प्रकृतियाँ एवं नीतियाँ
6.4 कर एवं निधिविनियोग-व्यवस्था
6.5 अनेक विध अपराधों के लिए दण्डव्यवस्था
6.6 त्रिविध प्रमाण एवं साक्ष्य-सिद्धि-विवेचन
6.7 न्याय-प्रक्रिया में दिव्य प्रमाणों का विवेचन

**सप्तम अध्याय- श्राद्ध-निरूपण** **179-204**

7.1 श्राद्ध एवम् उसका महत्त्व
7.2 श्राद्ध-विधि एवं प्रक्रिया
7.3 अष्टका श्राद्ध
7.4 श्राद्धीय देवता
7.5 नित्य, नैमित्तिक एवं काम्य श्राद्ध
7.6 श्राद्धार्थ प्रशस्ताप्रशस्त उपकरण
7.7 श्राद्धार्थ प्रशस्ताप्रशस्त ब्राह्मण
7.8 श्राद्धार्थ प्रशस्ताप्रशस्त स्थान
7.9 एकोद्दिष्ट श्राद्ध तथा वृषोत्सर्ग
7.10 श्राद्ध करने का फल

**अष्टम अध्याय- विविध-विषय-विवेचन** **205-231**

8.1 पुत्रधर्म एवम् उनके दायभाग
8.2 धन संख्या एवं कालगणना
8.3 आशौच निरूपण
8.4 शुद्धि निरूपण
8.5 आचार्य एवम् अध्ययनोपक्रम
8.6 त्रिविधधन एवं यात्रानियम
8.7 अनेकविध दान-विवेचन
8.8 मनुष्य-शरीर की संरचना

8.9 ध्यान-विधि

नवम अध्याय- विष्णुस्मृति की समसामयिकता 232-241

उपसंहार 242-246

सन्दर्भ-ग्रंथ-सूची 247-252